डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत मृदा परीक्षण परियोजना जो मृदा विज्ञान विभाग में स्थित है, सत्तर (70) के दशक की शुरुआत से राज्य के किसानों को अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है। मृदा परीक्षण परियोजना के तहत, मृदा और जल नमूनों (सिंचाई के लिए) का विश्लेषण भुगतान के आधार पर किया जा रहा है। किसान अपने नमूनों के जाँच के लिए मृदा परीक्षण योजना में मिट्टी और पानी के नमूने ला सकते हैं। किसानों की सुविधा हेतु मिट्टी का नमूना लेने की विधि यहाँ दी जा रही है जो इस प्रकार है :-

1. सर्वप्रथम अपने खेतों को उपज, मिट्टी के रंग, संरचना एवं बनावट या भौगोलिक स्तिथि के आधार पर अलग- अलग बाँट लें।
2. प्रत्येक खेत का नमूना अलग- अलग लें। यदि खेत बड़ा (एक एकड़ से अधिक) हो और उपरोक्त आधार पर यदि अलग- अलग बाँटा जा सकता है तो उनका नमूना अलग - अलग लें।
3. खेतों से नमूना फसल कटने के बाद विशेषकर रबी फसल के बाद सूखे समय में लेना चाहिए (जिग जैग तरीके से) ।
4. जिस खेत से नमूना लेना हो, उसमें 8-10 ऐसे स्थानों को चिन्हित करें जो खेत की मेढ़ से हटकर हों, जहाँ गोबर या रासायनिक खाद को न रखा गया हो तथा जहाँ पेड़ों के पत्ते या उनकी छाया न हो और साथ ही जो पुरे खेत का प्रतिनिधित्व करते हों।
5. प्रत्येक चिन्हित स्थान के ऊपर से मिट्टी को बचाते हुये घास - फूस हटायें और निम्न में से किसी एक विधि से नमूना एकत्र करें।
6. गहरी जड़वाली फसल अथवा लम्बे समयावधि वाली फसलों जैसे ईंख के लिए 30 से० मी० गहराई तक नमूना लें।
7. बागवानी फसलों के लिए मृदा नमूना 30 से० मी०, 30-60 से० मी० एवं 60-90 से० मी० गहराई तक लें।

(अ) खुरपी विधि

(i) इसके लिए खुरपी से मिट्टी में अंग्रेजी के **'V'** अक्षर का 15 से० मी० गहरा गड्ढा खोदते हैं।

(ii) इस **'V'** आकार गड्ढ़े के किसी भी तरफ से 1 से० मी० मोती परत को 15 से० मी० गहराई तक छीले हुए मिट्टी निकलते हैं और यही प्रक्रिया प्रत्येक चिन्हित स्थल से पूरी करते हैं ।

(ब) कोर सैम्प्लर से मिट्टी का नमूना लेना : कोर सैंपल 15 से० मी० लम्बा, 1.5-2.0 इंच व्यास वाले लोहे का पाइप होता है, जिसका एक सिरा धारदार होता है। कोर सैम्पलर से मिट्टी का नमूना लेना एक उचित एवं वैज्ञानिक तकनीक है क्योंकि इसमें 15 से० मी० सतह का सही नमूना प्राप्त होता है।

(स) औगर विधि से मिट्टी का नमूना लेना : यह विधि विभिन्न गहराइयों से नमूना लेने के लिए विशेषकर बागों से मिट्टी का नमूना लेने के लिए कारगर है ।

अब प्रत्येक स्थल से निकली गई मिट्टी को छाया में सुखाकर साफ पोलीथीन पर या बाल्टी में अच्छे से मिलावें पर इसमें मौजूद पत्थर व घास को चुनकर हटा दें। फिर इस मिट्टी को साफ कागज या अखबार पर डालकर एक समतल गोले के रूप में फैला कर चार सामान भागों में बाँट देते हैं। आमने- सामने के हिस्से की मिट्टी को बचाकर रखते हैं व बगल के दोनों हिस्सों की मिट्टी को फेंक देते हैं । यह प्रक्रिया तब तक अपनाते जब तक लगभग 500 ग्राम मिट्टी न बच जाय। मिट्टी के सूखने के बाद इसको स्वच्छ पोलीथीन या कपडे की थैली में किसान का नाम, ग्राम, खेत का नंबर या पहचान, सिंचाई व्यवस्था है या नहीं, उर्वरक के ऊपर खर्च करने की रकम आदि के साथ उचित पोस्टल पता को एक कागज पर लीड पेन या पेंसिल से लिखकर नमूने के बाहर तथा भीतर रखकर बाँध दें और प्रयोगशाला में जाँच के लिए भेज दें।

मिट्टी का नमूना लेते समय ध्यान रखने योग्य सावधानियाँ :

- मिट्टी के नमूना का संपर्क खाद या उर्वरक के साथ नहीं होना चाहिए।
- सूक्ष्म पोषक तत्व जाँच के लिए स्टील का औगर प्रयोग करें, न की जंग युक्त खुरपी।
- फसल लगाने से पहले जाँच रिपोर्ट पाने हेतु अपना नमूना कम से कम एक महीना पहले मिट्टी जाँच प्रयोगशाला में भेज दें ।

किसानों की सहायता के लिए मिट्टी और जल विश्लेषण दर चार्ट नीचे दिया जा रहा है। नमूनों के विश्लेषण के बारे में जानकारी विश्वविद्यालय के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (ATIC) से भी प्राप्त की जा सकती है। मृदा परीक्षण परियोजना हमेशा किसानों को जल्द से जल्द मृदा विश्लेषण रिपोर्ट प्रदान करने की कोशिश करती है।

सम्पर्क सूत्र :-

विभागाध्यक्ष (मुकेश कुमार) **Email:** head.soils@rpcau.ac.in **मो. न. :** 9431897517

मृदा परीक्षण परियोजना (संजय तिवारी) **Email:** sanjaytiwari@rpcau.ac.in **मो. न. :** 8051617450

क्र.सं.	मिट्टी, पौधे और पानी के नमूनों के लिए परीक्षण के प्रकार	दर (रुपये में) प्रति नमूना	
		किसानों के लिए	अन्य एजेंसियां के लिए
1.	पीएच, ईसी, जैविक कार्बन, उपलब्ध नाइट्रोजन, उपलब्ध फॉस्फोरस और उपलब्ध पोटेशियम	40.00	100.00
2.	उपलब्ध- कैल्शियम, मैग्नेशियम, सल्फर, जिंक, तांबा, आयरन, मैंगनीज और मोलिब्डेनम	25.00 प्रत्येक तत्व के लिए	50.00 प्रत्येक तत्व के लिए
3.	उपलब्ध बोरोन	50.00	100.00
4.	भारी धातुएं- कैडमियम, लेड, निकल, क्रोमियम आदि।	75.00 प्रत्येक तत्व के लिए	125.00 प्रत्येक तत्व के लिए
5.	एक नमूने (मिट्टी और पौधा) में मौजूद पोषक तत्वों की कुल मात्रा *	40.00 प्रत्येक तत्व के लिए	100.00 प्रत्येक तत्व के लिए
6.	जल विश्लेषण (पीएच, ईसी, कार्बोनेट, बाइकार्बोनेट, कैल्शियम + मैग्नेशियम, क्लोरीन और सोडियम + एस ए आर)	30.00	150.00
7.	मृदा स्वास्थ्य कार्ड	10.00	10.00

* कम से कम तीन तत्वों के परीक्षण के लिए नमूने स्वीकार किए जाएंगे।

29.09.2023

विभागाध्यक्ष
मृदा विज्ञान विभाग
डा. रा. प्र. के. कृ. वि., पूसा, समस्तीपुर

मिट्टी का नमूना देने हेतु प्रपत्र

1. किसान का नाम : –
2. किसान का मोबाईल न0 : –
3. किसान का आधार न0 : –
4. पताः– ग्राम : – पोस्ट : –
   पंचायत : – प्रखण्ड : –
   जिलाः –
5. प्लॉट संख्या व खेत की स्थानीय पहचान : –
6. खाता/खेसरा संख्या : –
7. उपजाने वाली फसल का नाम : –
8. पूर्व में उपजाई गई फसल :–
9. खेत में यदि कोई विशेष समस्या है तो बतायें : –

* उपर्युक्त समस्त सूचनाओं के साथ मिट्टी का नमूना यथोचित शुल्क के साथ प्रभारी पदाधिकारी, मिट्टी जाँच प्रयोगशाला अथवा विभागाध्यक्ष, मृदा विज्ञान विभाग, राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा, समस्तीपुर को प्रेषित करें।